सेंट एंड्रयूज स्कॉट्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल

9वीं एवेन्यू, आई.पी.एक्सटेंशन, पटपडगंज,दिल्ली – 110092

सत्र: 2024-25

कक्षा:-6 **विषय- हिन्दी पाठ्यपुस्तक** **पाठ:6**

मौखिक

1.प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(क) ब्राह्मण शिशुपाल के घर संध्या समय आए।

(ख) सिपाहियों को देखकर शिशुपाल सहम गए।

(ग) भोजन कराने के बाद शिशुपाल ने राजा से कहा कि आजकल बड़ा अन्याय हो रहा है। उनका खून खौल उठता है।

(घ) न्याय का डंका बजाने का अवसर सम्राट अशोक ने शिशुपाल को दिया।

(ङ) सुबह होने पर लोग हैरान थे क्योंकि लगभग एक महीने बाद किसी ने रात में एक पहरेदार की हत्या कर दी।

लिखित

2.प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

(क) सिपाहियों के साथ चलते हुए शिशुपाल सोच थे कि कहीं उस परदेशी ने तो सम्राट से झूठी सच्ची शिकायत तो नहीं कर दी?

(ख) सम्राट ने शिशुपाल से अपराधी का पता चलने के बारे पूछा। शिशुपाल ने बताया कि अपराधी का पता चल गया। जब अपराधी को उपस्थित करने के बारे में राजा ने कहा, तब शिशुपाल ने कहा की अपराधी आप ही है।

(ग) न्यायमंत्री ने निर्णय सुनाया कि सम्राट स्वयं अपराधी हैं। राजा को दंड सिर्फ ईश्वर दे सकता है। इसलिए राजा की सोने की मूर्ति को फाँसी पर लटकाया जाए। इससे लोगों को शिक्षा मिलेगी।

(घ) शास्त्रों में राजा को ईश्वर का रूप माना गया है। इसलिए उसे ईश्वर ही दंड दे सकता है। समाज में लोगों को शिक्षा मिले कि अपराधी को दंड मिलना चाहिए, इसलिए राजा की सोने की मूर्ति को फाँसी पर लटकाया गया।

3.पाठांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

(क) सुबह होते ही यह बात चारों ओर फैल गई कि किसी ने रात में पहरेदार की हत्या कर दी है।

(ख) शिशुपाल को यह जानकर बहुत आश्चर्य हुआ कि पहरेदार की हत्या सम्राट ने की थी।

(ग) सम्राट को अपराधी घोषित करना कठिन काम था।

(घ) न्याय की दृष्टि में सम्राट और साधारण व्यक्ति में कोई अंतर नहीं होता।

(ङ) विलोम रूप सेवक -स्वामी,   अपराधी- निरपराध

4. उचित विकल्प के सामने) का चिह्न बनाइए-

(क) अपना आदर-सत्कार देखकर

(ख) न्यायमंत्री बनाए जाने की

(ग) सम्राट को अपराधी घोषित किए जाने की